मसीह के बिना कुछ भी नहीं

जे पी ड्यूमिनी

जेपी डुमिनी,
दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर जे.पी. डुमिनी ने बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के ऑफ स्पिन गेंदबाज के रूप में अपने लिए काफी नाम कमाया है। दक्षिण अफ्रीका के पश्चिमी केप में बड़े होने के बाद, वह वर्तमान में अपनी घरेलू टीम, केप कोबरा और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं।

यह सब तब शुरू हुआ जब मैं 8 साल का एक छोटा लड़का था, स्ट्रैंडफोंटीन क्रिकेट क्लब के लिए खेल रहा था - मुझे क्रिकेट के खेल से प्यार हो गया। जब मैंने खेल का भरपूर आनंद लिया, तो यह मेरे पिता का मानना था कि मेरे पास एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रतिभा है। 17 साल की उम्र में, मुझे पश्चिमी प्रांत के साथ अपना पहला पेशेवर अनुबंध मिला।

मुझे हमेशा से ऐसे अद्भुत परिवार, मित्रों और कोचों को मेरी सहायता संरचनाओं के रूप में प्राप्त करने के लिए अविश्वसनीय रूप से आशीर्वाद दिया गया है। लेकिन यह 2012 में था, जब मैंने अपने अकलीज़ को बोला, कि मैं वास्तव में मसीह यीशु पर अपनी निर्भरता और व्यक्तिगत विश्वास बढ़ाता हूं। मेरे जीवन में यह महत्वपूर्ण समय था और मेरी आध्यात्मिक यात्रा

के लिए भी महत्वपूर्ण था।
उसने वास्तव में मेरे आसपास कुछ अच्छे दोस्त डाल दिया जिन्होंने मेरी यात्रा के माध्यम से निर्देशित किया मुझे यह जानने में मदद की कि मसीह वास्तव में कौन है और उन्होंने कलवारी के क्रूस पर मेरे लिए क्या किया यह समझ रहे थे।
"मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है; और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूँ जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया और मेरे लिए अपने आप को दे दिया।"- गलतियों 2:20।
उस समय से, मेरी ड्राइव सबसे अच्छी है कि मैं अपने खेल में हो सकता हूं ताकि परमेश्वर को प्रतिभा के साथ सम्मानित कर सकू। मैं उनका हर छोटी-बड़ी चीज के जरिए और उनके नाम का महिमामंडन करना चाहता हूं।
पेशेवर एथलीट होने के नाते बड़ी उम्मीदें होती हैं, और उन उम्मीदों के कारण हम कई बार हताश हो सकते हैं। यह करियर आसान लग सकता है, लेकिन पेशेवर क्रिकेटरों के रूप में जितना समय और ऊर्जा हम अपने खेल में लगाते हैं, हम हर दिन कुछ चुनौतियों का सामना करते हैं। वर्षों के दौरान, मुझे पता चला कि केवल इतना ही है कि मैं अपने शक्ति के द्वारा बहुत कुछ कर सकता हूं। उसके बाद, यह सब परमेश्वर के हाथों में छोड़ने के बारे में है।
मैं मसीह के बिना कुछ भी नहीं हूँ। मेरी कोई भी सफलता उनके बिना संभव नहीं होती। हम सभी पतित प्राणी हैं और इसीलिए मसीह हमारे लिए मरा। मेरी पहचान ऐसे नहीं पाई जाती है कि कोई और मुझे कैसे उल्लेख करता है, लेकिन उसमे पाया जाता है जो वह कहता है मैं हूं।
अपने जीवन के अंत में, मैं किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाना चाहता हूं, जिसने मसीह की तरह, हर समय अपना सब कुछ दिया, जो लोगों से प्यार करता था, जो दूसरों की जरूरतों के लिए दयालु था, और जिसके पास हमेशा एक सेवक व्यवहार था।

J.P.'s favorite verse:

"And we know that in all things God works for the good of those who love Him, who have been called according to His purpose."

— Romans 8:28